हमेशा बरसते रहेगा

इंतज़ार कर रही हूँ मैं तुम्हारा,
इस बरफ की मौसम में।
दिल धड़प रहा है, डप-डप
तुम्हारे बारे में सोचते वक्त।
तुम्हारी यादों में डूब गया,
एक नन्ही मच्छली हूँ मैं।
तुम्हारी पंखों के नीचे आकर
सोना चाहती हूँ मैं।

लेकिन, क्या करें अब? मैं
तुमसे बहुत विधूर हूँ न?
यादों की पन्नों को पलटकर
चिट्ठी लिख रहा हूँ मैं...।
हमारे बीच के मीठे पलों को
नया जीवन देता हूँ मैं।

यादों की पुरानेह किताबें
फिरसे पढ़ रहा हूँ मैं।

आज इस बरफ जमा दिन में
कलम पकटकर बैठा मेरे मन में
बहुत सारा, बिना जमा कुछ
पत्तों का चित्र आ रहा है।
क्या तुम्हें याद हो? बीस साल
पहले इसी दिन में हम दोनों
प्यार की बूदों को देख रहे थे
इस खिडकी के बाहर से।

तुम्हारी हाथों से बना, धुवा उठता
चाय पीते वह वक्त। क्या
तुम्हें याद आ रही है?
बर्फ से भरा, इस सफेद
काश्मीर के मैदान में, हम
कितने देर दौड रहे थे?
प्यार, क्या तुम ये दिनों

को भूल गया ?

लेकिन आज, मैं यहाँ
अकेला हूँ; तुम्हारे पास
आकर पुराने ज़िंदगी बिताने
के लिए तरस रहा हूँ मैं।
मेरा रामायण का सीता
तू है; शकुंतल का शकुंतला भी तू।
तेरा बिना मेरा ज़िंदगी
जीना चाहता लाश की तरह।

कभी मत सोचना मेरे यार,
मैं तुमसे प्यार नहीं करता।
जल्दी मैं आऊँगा तेरे पास
पुराने मधुविध दिन बिताने।
लेकिन अब मुझे हमारा
माँ को बचाना है...
इस आयुध से खेलने वाले
अंधा दुश्मनों से।

उस मुकाबले में, मैं मर जाऊँ...
तो भी मत उदास होना, मेरे दिल!
हमारी जीवन भरी वह पलों ही
काफी है, मेरा रूह को शांती दिलाने।
तुम्हारी तीर जैसे नज़र उनकी
आयुधों से अधिक दर्दभरा है...
तो आज़ू पोछ लो प्यार, क्योंकि
उस हृदय में प्यार ही प्यार है।

बारिश के बूँदें अब वहाँ
बरसने लगे होंगे, वह काफी
होगा; इसलिए आँखों से
बहता नदी पोछ दो, प्रिया!
अब हम कभ मिलेंगे...
मुझे नहीं पता, तेरी इंतज़ार
ही मेरे लिए सबसे मीठा
फल है, मत भूलो प्रिया!

कभ हमलोग फिरसे वह

प्यार का झूला झूलेंगे ?
कभ हमारा मुँह में फिरसे
हँसी का फूल खिलेगें ?
बस एक बात याद रखना प्यार,
बारिश बरसे, बाद आए,
कुछ भी हो जाए, हमारा
प्यार हमेशा जिंदा रहेगा।

यहाँ ओस की बूँदें बरसने
लगी है, मुझे जाने का
समय हो चुका है... ।
अगली चिट्ठी में लिख
पाऊँगा या नहीं, मुझे
पता नहीं लेकिन यह
बता सकता हूँ कि, हमारा
प्यार अनोखा रहेंगा।

याद हो न, वह पुराने वक्त,
जब हमने अपनी सपनों

की पुस्तक एक-दूसरे को
दिखाया, उसकी पन्नें
पलटते वक्त, मेरी पुस्तक
सफ़ेद था... ओस की तरह।
लेकिन आज वह रंगभरा है...
तुम्हारी खिलती मुस्कुराहट की तरह।

जैसे गंगा समुद्र में मिल जाता है,
वैसा मैं भी तुम्हारी यादों में
मिल जाऊँगा... तुम्हारी आँसू
आँखों से ही मैं मिटा दूँगा।
जैसे ये ओस की बूँदें
हमेशा बरसते रहेंगे वैसे ही
हमारा प्यार की बूँदें
हमेशा बरसते रहेंगा।